



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

2 श्रावण 1935 (शा०)
(सं० पटना 585) पटना, बुधवार, 24 जुलाई 2013

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

अधिसूचना

19 मार्च 2013

सं० 2170—श्री सनातन धर्म सभा, पटना सिटी, पटना पर्षद के अन्तर्गत निर्बंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं० 4231 है। बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के तहत इसकी सम्पत्तियों की सुरक्षा, सुचारू प्रबंधन तथा विकास के लिए एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं० 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए श्री सनातन धर्म सभा, पटना सिटी, पटना की सम्पत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण तथा सुप्रबंधन हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री सनातन धर्म सभा, पटना सिटी, पटना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री सनातन धर्म सभा न्यास समिति, पटना सिटी, पटना” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।

5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालने करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।

6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहुत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलायी जायेगी और बैठक की कार्यवृत पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा, तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।

8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांरित भूमि "यदि कोई हो तो", उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी ।

9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा ।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकुल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी ।

11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अहंता स्वतः समाप्त हो जायेगी ।

12. इस न्यास समिति का कार्यकाल दिनांक 02.04.2013 से 05 वर्ष की होगी, लेकिन एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर समुचित कार्रवाई की जायेगी ।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की एक न्यास समिति गठित की जाती है:—

(1) अनुमण्डल पदाधिकारी, पटना सिटी, पटना	—	पदेन अध्यक्ष
(2) श्री दीनानाथ जेतली, सारस्वत-निकेत, महाराज घाट, पटना सिटी	—	कार्यकारी अध्यक्ष
(3) श्री आत्मा बागला, मिरचाई गली, पटना सिटी	—	सचिव
(4) श्री जगदीश गुप्ता, फुलौरी गली, पटना सिटी	—	कोषाध्यक्ष
(5) श्री विश्वनाथ पोद्दार, मंगल तालाब, पटना सिटी	—	सदस्य
(6) डॉ त्रिलोकी प्रसाद गोलवारा, मच्छरहटटा, पटना सिटी	—	"
(7) श्री शशीशेखर रस्तोगी, कचौड़ी गली, पटना सिटी	—	"
(8) श्री ईश्वर लाल अग्रवाल, झाउगांज, पटना सिटी	—	"
(9) श्री अर्जुन प्रसाद यादव, कमंगर गली, खाजेकलां, पटना सिटी	—	"
(10) श्री रतनदीप प्रसाद, खाजेकलां, पानी टंकी रोड, पटना सिटी	—	"
(11) श्री सुखदेव रजक, खाजेकलां, पानी टंकी रोड, पटना सिटी	—	"

आदेश से,

किशोर कुणाल,

अध्यक्ष ।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 585-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>